मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 255, मुंबई, गुरुवार, 24 नवंबर, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI
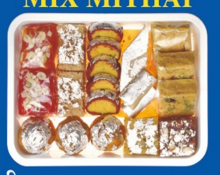
मोतीचूर लड्डू
बदाम बर्फी
काजू कतली
मलाई पेड़े
काजू रोल
रसगुल्ले
Order Now 98208 99501
ONLINE SHOP : www.mmmithaiwala.com
MM MITHAIWALA
Malad (W), Tel. : 288 99 501.

ZONE 11&12

कुरार विलेज, दिंडोशी व मालवणी इलाकों में झोलाछाप डॉक्टरों की भरमार

फर्जी झोलाछाप डॉक्टरों का शिकार होकर अपनी जान गवां देते हैं गरीब तबके की आम जनता

मासूम जनता के जान से खिलवाड़ कर रहे झोलाछाप डॉक्टरों पर आखिरकार कब होगी कार्रवाई?

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। जोन-11 और 12 के अंतर्गत आने वाले कुरार विलेज, दिंडोशी व मालवणी इलाकों में गलियों से लेकर मुख्य बाजारो तक झोलाछाप डॉक्टरों की भरमार है। आलम यह है कि हर एक गली में फर्जी तरीके से क्लीनिक संचालित हैं। बिना किसी डिग्री के छोटे-बड़े हर मर्ज का इलाज इन फर्जी डाक्टरों के पास किया जाता है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

स्वास्थ्य विभाग का भी नहीं है फर्जी डॉक्टरों में कोई खौफ, झापेमारी से पहले ही मिल जाती है जानकारी, इसी का फायदा उठाकर ये झोलाछाप डॉक्टर अपनी दुकान बंद कर मौके से गायब हो जाते हैं

महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. तानाजी सावंत से अपील है कि जोन-11 और 12 के अंतर्गत आने वाले कुरार विलेज, दिंडोशी व मालवणी इलाकों में फर्जी तरीके से चलाये जा रहे क्लीनिकों की जल्द से जल्द जांच करायें और साथ ही ऐसे फर्जी डॉक्टरों को सलाखों के पीछे भेंजे जो आम जनता के जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं

अगले अंक में पढ़िए किस-किस डॉक्टरों के पास लाइसेंस है और कौन-कौन डाक्टर अवैध तरीके से चला रहा है क्लीनिक

ना हिन्दू बुरा हैं ना मुसलमान बुरा हैं, आ जाए बुराई पे वो इंसान बुरा हैं:
दिलशाद एस. खान

आज के कालजयी पत्रकार हैं वरिष्ठ पत्रकार दिलशाद एस. खान

(समाचार पृष्ठ 4-5 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
जरूरी सूचना

सभी को सुचित किया जाता है कि अगर दै. मुंबई हलचल के नाम पर कोई व्यक्ति संवाददाता बता कर आपसे कोई भी गलत व्यवहार करता है तो आप तुरंत अपने स्थनीय पुलिस स्टेशन में जाकर उस व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराये, अगर आप उस व्यक्ति से कोई लेन-देन करते हैं तो उसका जिम्मेदार आप खुद होंगे.

धन्यवाद...संपादक

आप दै. मुंबई हलचल के कार्यालय में नीचे दिये गये नंबर पर संपर्क कर सकते हैं
9820961360

दिशा सालियान का नहीं हुआ था मर्डर, नशे में पैर फिसलने से गिरकर हुई थी मौत, सीबीआई जांच में खुलासा

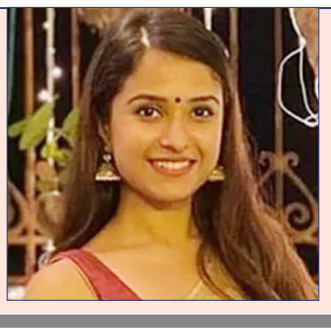

मुंबई। दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत और उनकी पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत का मामला साल 2020 में चर्चा का विषय था। इस मसले को लेकर तत्कालीन महाविकास अघाड़ी सरकार और बीजेपी के बीच में जमकर जुबानी जंग भी देखी गई थी। महाराष्ट्र से लेकर बिहार तक इस मसले पर सियासत शुरू थी। इस मामले की जांच सीबीआई कर रही थी। जिसमें यह पता चला है कि दिशा सालियान का मर्डर नहीं किया गया था बल्कि नशे की हालत में पैर फिसलने की वजह से छत से गिरकर उसकी मौत हुई थी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

भाजपा के ऑपरेशन लोटस फेल हो रहे?

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा जिस राज्य में पहुंचने वाली होती है, वहां भाजपा के ऑपरेशन लोटस की चर्चा शुरू हो जा रही है। यात्रा जब तेलंगाना में थी तो लगभग सभी अखबारों में खबर छपी और टेलीविजन चैनलों पर दिखाया गया कि भाजपा महाराष्ट्र में कांग्रेस पार्टी को तोड़ देगी। कहा गया कि राहुल की यात्रा जब महाराष्ट्र पहुंचेगी तो ऑपरेशन लोटस होगा और कांग्रेस के विधायक टूट कर भाजपा में शामिल होंगे। अब बुधवार यानी 23 नवंबर को यात्रा मध्य प्रदेश में प्रवेश कर रही है तो उससे पहले कहा जा रहा है कि कांग्रेस पार्टी के विधायक टूटेंगे, ऑपरेशन लोटस होगा। उससे पहले जब यात्रा केरल से कर्नाटक पहुंची थी तब भी यही कहा गया था। हालांकि हकीकत यह है कांग्रेस न कर्नाटक में टूटी और न महाराष्ट्र में उसका कोई विधायक टूट कर भाजपा के साथ गया। ध्यान रहे भाजपा महाराष्ट्र में काफी समय से इसका प्रयास कर रही है। शिव सेना से टूट कर जब एकनाथ शिंदे गुट अलग हुआ और भाजपा के समर्थन से नई सरकार बनी तो उसके विश्वास मत प्रस्ताव पर वोटिंग के समय कांग्रेस के कई विधायक नहीं पहुंचे। उनमें पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण भी शामिल थे। नहीं पहुंचने वाले विधायकों ने कहा कि वे ट्रैफिक में फंस गए थे लेकिन असल कहानी बताई गई कि ये विधायक कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में जाने वाले हैं। अशोक चव्हाण के साथ साथ पृथ्वीराज चव्हाण के बारे में भी कहा जा रहा था कि वे कांग्रेस छोड़ेंगे। लेकिन जब राहुल गांधी की यात्रा महाराष्ट्र पहुंची तो ये दोनों नेता यात्रा के साथ रहे। अशोक चव्हाण सारी तैयारियों में शामिल रहे क्योंकि यात्रा उनके क्षेत्र नांदेड़ से ही महाराष्ट्र में प्रवेश कर रही थी। इतना ही नहीं उनकी बेटी श्रीज्या नांदेड़ में पूरे समय राहुल गांधी के साथ रहीं। नांदेड़ में यह यात्रा 104 किलोमीटर चली और श्रीज्या पूरे समय राहुल के साथ पैदल चलीं। बाद में अशोक चव्हाण ने बताया कि उनकी बेटी राहुल गांधी की प्रशंसक है और वह उनके साथ कश्मीर तक पैदल चलने को तैयार है। ध्यान रहे चव्हाण ने अघोषित रूप से अपनी बेटी को अपना उत्तराधिकारी बना दिया है और वे उनके पारंपरिक भोखर विधानसभा क्षेत्र में काम कर रही हैं। यात्रा जब महाराष्ट्र में चल रही थी तो पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण भी उसमें शामिल हुए और उसी दौरान उनको गुजरात के चुनाव की जिम्मेदारी दी गई। उनको भी पार्टी के पर्यवेक्षकों में शामिल किया गया। सो, जैसे कर्नाटक में योजना फेल हुई वैसे ही महाराष्ट्र में भी हुई। अब मध्य प्रदेश की चर्चा हो रही है। कहा जा रहा है कि भाजपा ऑपरेशन लोटस-2 की तैयारी कर रही है। यानी एक बार फिर कांग्रेस पार्टी के कुछ विधायकों को तोड़ा जाएगा। लेकिन इसकी संभावना कम दिख रही है। इक्का दुक्का विधायक टूटें तो अलग बात है लेकिन ज्यादातर विधायक अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी में अपने अपने क्षेत्र में काम करने में लग गए हैं।

आधे पड़ाव के बाद राहुल और कांग्रेस!

संभव है कि सावरकर पर हमला और मेधा पाटकर के साथ यात्रा एक सुसंगत विचार हो, जिससे कांग्रेस अपना पुराना वोट आधार हासिल करने की उम्मीद कर रही हो। वह सिर्फ राजनीतिक रूप से ही नहीं, बल्कि वैचारिक रूप से अल्पसंख्यकों, आदिवासियों, पिछड़ों, दलितों और वंचितों के करीब दिखने का प्रयास कर रही है। आगे होने वाले चुनावों के नतीजों से पता चलेगा कि कांग्रेस इसमें कितना कामयाब हो पाई है। अभी सिर्फ इतना कहा जा सकता है कि आधे पड़ाव के बाद कांग्रेस और राहुल गांधी दोनों पहले से बेहतर स्थिति में हैं।

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का क्या हासिल है? राहुल गांधी के नेतृतव में चल रही यह यात्रा आधा पड़ाव पार चुकी है। अभी तक यात्रा छह राज्यों से गुजरी है और 18 सौ किलोमीटर की दूरी तय कर चुकी है। सो, अब यह आकलन करने का पर्याप्त आधार है कि इस यात्रा से कांग्रेस पार्टी और निजी तौर पर राहुल गांधी को क्या हासिल हुआ है? क्या यह यात्रा कांग्रेस के खाते में वोट जोड़ने में कामयाब हुई है? इन सवालों का सीधा जवाब संभव नहीं है क्योंकि यह यात्रा सिर्फ वोट की राजनीति के लिए नहीं है। कांग्रेस बार बार इस बात पर जोर दे रही है कि यात्रा का मकसद सिर्फ राजनीतिक नहीं है।

जब से राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के वासिम और बुलढाणा में विनायक दामोदर सावरकर पर टिप्पणी की और कांग्रेस को राजनीतिक नुकसान का अंदेशा हुआ तब से कांग्रेस नेताओं ने एक अलग लाइन पकड़ी है। उन्होंने कहना शुरू किया है कि संगठन का काम अब पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे संभालेंगे और राहुल गांधी कांग्रेस की विचारधारा का प्रतिनिधित्व करेंगे। कांग्रेस नेता इतने पर नहीं रूके हैं। उन्होंने यह भी कहना शुरू किया कि राहुल गांधी कांग्रेस की सर्वोच्च नैतिक सत्ता बन रहे हैं, वैसे ही जैसे किसी समय महात्मा गांधी थे। महात्मा गांधी जब कांग्रेस के प्राथमिक सदस्य भी नहीं थे तब भी उनकी सत्ता सर्वोच्च थी। सो, इस पदयात्रा के जरिए राहुल को कांग्रेस की विचारधारा का सच्चा प्रतिनिधि और पार्टी संगठन से ऊपर एक सर्वोच्च नैतिक ताकत के तौर पर स्थापित होने का विमर्श खड़ा किया गया है। राहुल गांधी इस यात्रा में उसी तरह का आचरण भी कर रहे हैं और उसी तरह की बातें भी कर रहे हैं। वे छोटी बच्चियों से लेकर युवतियों और उम्रदराज महिलाओं के कंधे पर हाथ रख कर वैसे ही सहज तरीके से पैदल चल रहे हैं, जैसे महात्मा गांधी चलते थे। बूढ़े लोग उनकी यात्रा में साथ चल रहे हैं तो शारीरिक रूप से कम सक्षम लोग भी कांग्रेस का झंडा उठा कर उनकी यात्रा में शामिल हो रहे हैं। राहुल की दाढ़ी बढ़ी है और यात्रा में उनको तमाम तरह की सांसारिकता से परे दिखाया जा रहा है। इसी तरह से राहुल गांधी पार्टी के लिए राजनीतिक लाभ-हानि की चिंता छोड़ कर वैचारिक प्रतिबद्धता पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। अगर ऐसा नहीं होता तो वे महाराष्ट्र की सरजमीं पर बैठ कर वहां के एक आईकॉन विनायक दामोदर सावरकर पर टिप्पणी नहीं करते। उन्होंने सावरकर को डरा हुआ और अंग्रेजों का मददगार कहा। इस पर विवाद चल ही रहा था कि उन्होंने यात्रा में शामिल हुईं सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर के कंधे पर हाथ रख कर उनके साथ आत्मीयता दिखाई। उनको पता था कि मेधा पाटकर के साथ चलने को गुजरात चुनाव में बड़ा मुद्दा बनाया जा सकता है। लेकिन उन्होंने इसकी परवाह नहीं की। सोचें, खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार मेधा पाटकर का मुद्दा बना रहे हैं और उनको गुजरात व गुजरातियों का दुश्मन बता कर अस्मिता की राजनीति कर रहे हैं। इसके बावजूद कांग्रेस ने कोई सफाई नहीं दी, उलटे राहुल गांधी गुजरात पहुंचे तो उन्होंने आदिवासियों के साथ अपनी पार्टी और परिवार का गहरा जुड़ाव बताया। ध्यान रहे मेधा पाटकर ने आदिवासियों और गरीबों के विस्थापन का ही मुद्दा बना कर सरदार सरोवर परियोजना का विरोध किया था।

बहरहाल, भारत जोड़ो यात्रा के आधे पड़ाव के बाद यह कहा जा सकता है कि राहुल गांधी ने निजी तौर पर एक निश्चित मुकाम हासिल कर लिया है। अब उनको 'अनिच्छुक राजनेता' नहीं कहा जा सकता है और न 'पप्पू' बताया जा सकता है। उन्होंने एक गंभीर और प्रतिबद्ध नेता की छवि बनाई है। उन्होंने सात प्रेस कांफ्रेंस किए हैं और अलग अलग राज्यों में अलग अलग भाषाओं के पत्रकारों के सवालों के जवाब दिए हैं। यह मामूली बात नहीं है। हर राज्य की अपनी समस्याएं हैं और अपनी विशिष्ट राजनीति है। प्रेस कांफ्रेंस में उनसे जुड़े सवालों के राहुल ने बहुत सहज जवाब दिए। इससे वे एक अलग लीग के नेता के तौर पर स्थापित होते हैं। निश्चित रूप से यात्रा ने उनके बेहतर राजनेता और बेहतर इंसान बनाया है। लेकिन क्या इससे कांग्रेस पार्टी को भी उसी तरह का फायदा हो रहा है, जैसा उनको निजी तौर पर हुआ है? क्या कांग्रेस इस यात्रा के जरिए वोट जोड़ पा रही है? इन सवालों का जवाब आसान नहीं है। क्योंकि इस तरह की यात्राएं तात्कालिक लाभ देने वाली नहीं होती हैं। याद करें लालकृष्ण आडवाणी की सोमनाथ से अयोध्या की यात्रा या मुरली मनोहर जोशी की श्रीनगर के लाल चौक तक की तिरंगा यात्रा कितने बरसों के बाद फलीभूत हुई थी! राहुल गांधी की यात्रा से कांग्रेस के अंदर एक ऊर्जा का संचार हुआ है। कांग्रेस की यात्रा जिन राज्यों से गुजरी है वहां प्रदेश संगठन में जान लौटी है। थके हारे कार्यकताओं में जोश आया है और उम्मीद बंधी हैं। पार्टी के अंदर चलने वाली गुटबाजी कुछ हद तक थमी है। इसका असर आने वाले समय में देखने को मिल सकता है। लेकिन वह तब होगा, जब कांग्रेस इस यात्रा से बने जोश और उत्साह को कायम रख सके। अगर कांग्रेस यात्रा से बने मोमेंटम को बनाए रखने में कामयाब होती है तो उसे निश्चित रूप से फायदा होगा।

जहां तक कांग्रेस के खाते में वोट जोड़ने की बात है तो उसका भी पता आगे आने वाले चुनावों के नतीजों से चलेगा। राहुल ने वैचारिक प्रतिबद्धता की वजह से जो बयान दिया है तात्कालिक रूप से उसका नुकसान होता दिख रह है। सावरकर के बयान से महाराष्ट्र में गठबंधन टूटने की कगार पर पहुंच गया था तो मेधा पाटकर के साथ यात्रा करने से गुजरात में वोट का नुकसान संभव है। लेकिन वैचारिक प्रतिबद्धता अंत में वोट का फायदा भी करा सकती है। ध्यान रहे किसी भी योजना या अभियान की सफलता के लिए सबसे पहले एक सुसंगत विचार की जरूरत होती है। संभव है कि सावरकर पर हमला और मेधा पाटकर के साथ यात्रा एक सुसंगत विचार हो, जिससे कांग्रेस अपना पुराना वोट आधार हासिल करने की उम्मीद कर रही हो। वह सिर्फ राजनीतिक रूप से ही नहीं, बल्कि वैचारिक रूप से अल्पसंख्यकों, आदिवासियों, पिछड़ों, दलितों और वंचितों के करीब दिखने का प्रयास कर रही है। आगे होने वाले चुनावों के नतीजों से पता चलेगा कि कांग्रेस इसमें कितना कामयाब हो पाई है। अभी सिर्फ इतना कहा जा सकता है कि आधे पड़ाव के बाद कांग्रेस और राहुल गांधी दोनों पहले से बेहतर स्थिति में हैं।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

भिवंडी के आईजीएम हॉस्पिटल में डॉ द्वारा की गई लापरवाही से गई एक महिला की जान

मुंबई हलचल / संवाददाता

भिवंडी। विवादों में अक्सर रहने वाला सरकारी अस्पताल के डॉक्टर की लापरवाही से एक महिला की मौत का मामला प्रकाश में आया मृतक सविता दिनेश यादव वर्ष 30 रहवासी शांति नगर सहयोग नगर शीतला देवी मंदिर के पास भिवंडी इस मामले में मृतक सविता की बहन सरिता द्वारा आईजीएम अस्पताल के डॉक्टर पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया मेरी दीदी की मृत्यु का कारण आईजीएम अस्पताल के डॉक्टर हैं जिनकी लापरवाही से आज मेरी दीदी दुनिया में नहीं है उन्होंने बताया मेरी दीदी का 24 अक्टूबर को 9 महीना पूरा हो गया था और मेरी दीदी का उपचार आदित्य अस्पताल में चल रहा था लेकिन पैसों की तंगी की वजह से आदित्य अस्पताल में उपचार नहीं करा पाय क्योंकि वह प्राइवेट है उसमें ज्यादा खर्चा आता और मेरी मां का ढाई महीने पहले ही देहांत हो गया था इसीलिए हम लोगों ने मेरी दीदी को 17 नवंबर गुरुवार सवेरे 6:45 बजे भिवंडी के आईजीएम अस्पताल में भर्ती करा दिया वहां मौजूद डॉक्टरों ने जांच पड़ताल के बाद कहा मेरी दीदी की और बच्ची की हालत ठीक है हम लोग 10 बजे तक देखते हैं नहीं तो उनका ऑपरेशन करना पड़ेगा फिर डॉक्टर द्वारा ऑपरेशन किया

गया ऑपरेशन के बाद मेरी दीदी ने लड़की को जन्म दिया और उसके बाद उनकी हालत खराब होने लगी मेरी दीदी को पेट में गैस बनने लगी उनका पेट सख्त हो गया जिससे मेरी दीदी को लेटना उठना बैठना मैं तकलीफ होने लगी मैं डॉक्टरों को बोलती रही कि मेरी दीदी को पेट में तकलीफ हो रही है लेकिन वहां के डॉक्टर और नर्स ने मेरी एक न सुनी सिर्फ इंजेक्शन ही देते रहे डॉक्टर ने मेरी दीदी के पेट का सोनोग्राफी तक नहीं निकाला कि आखिर पेट में क्यों तकलीफ हो रही है फिर अचानक मेरी दीदी को इतनी गंदी उल्टी हुई जिससे पूरा अस्पताल का वार्ड दुर्गंध से भर गया मानो ऐसा लग रहा था जैसे मेरी दीदी के मुंह से टॉयलेट निकल रहा हो फिर भी डॉक्टरों ने यह मामले को गंभीरता से नहीं लिया और उसके बाद मेरी दीदी के हाथ पैर ठंडे होने लगे मैं लाख मिन्नतें करती रही कि आप लोगों से उपचार नहीं हो पाता है तो मैं मेरी दीदी को दूसरे अस्पताल में ले जाती हूं फिर 20 नवंबर रविवार को डॉक्टर द्वारा कहा गया कि आप कलवा के अस्पताल में ले जाओ लेकिन मुझे सिर्फ चिट्ठी लिख कर दी ना ही मुझे उपचार के दौरान के पेपर दिए गए और एंबुलेंस ने ठाणे सिविल हॉस्पिटल ले गया वहां के डॉक्टरों ने कहा कि तुमको कलवा ले जाने के लिए कहा है मेरी मिन्नत करने के बाद और मेरी दीदी की हालत को देखते हुए अस्पताल के डॉक्टरों ने मेरी दीदी को आईसीयू में भर्ती करा दिया उसके बाद डॉक्टरों ने मेरी दीदी के मुंह से दो भरनी भरकर पाइप डालकर गंदगी निकाली लेकिन मेरी दीदी को नहीं बचा पाए और ठाणे के सिविल अस्पताल में मेरी दीदी की मृत्यु हो गई वहां के डॉक्टरों ने कहा कि तुम्हारी दीदी का ऑपरेशन करने के बाद डॉक्टर द्वारा उनका पेट साफ नहीं किया गया और उनके पेट में पूरी गंदगी भर गई और उसी कारण उनकी मृत्यु हो गई मृतक सविता दिनेश यादव की बहन सरिता ने आईजीएम अस्पताल के डॉक्टर पर यह आरोप लगाया है कि मेरी दीदी की मृत्यु डॉक्टर की लापरवाही की वजह से हुई है अगर डॉक्टर द्वारा मेरी दीदी का ऑपरेशन करने के बाद पेट पूरी तरह से साफ किया जाता और गंदगी उनके पेट में से निकाल दी जाती तो शायद आज मेरी दीदी जिंदा होती उन्होंने अस्पताल प्रशासन से मांग की है इस मामले की गंभीरता से जांच की जाए और डॉक्टर पर सख्त कार्रवाई की जाए मुझे और मेरी मृतक दीदी को न्याय दिया जाए ताकि सरकारी अस्पताल में जिस तरह से लापरवाही की जाती है और खामियाजा लोगों को जान देकर गवाना पड़ता है आज मेरी दीदी के साथ हुआ है कल किसी और के साथ ना हो मैं यह चाहती हूं सरिता ने बताया मेरी दीदी को एक लड़का है और एक मासूम नवजात लड़की है जिसे दीदी ने जन्म दिया और डॉक्टर की लापरवाही की वजह से वह इस दुनिया में नहीं है सरिता की बहन सविता की मृत्यु के बाद उनके पूरे परिसर में और परिवार में गम का माहौल छाया हुआ है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

कुरार विलेज, दिंडोशी व मालवणी इलाकों में झोलाछाप डॉक्टरों की भरमार

अगर मरीज थोड़ा ठीक भी है और इनके इलाज करने से ज्यादा सीरियस हो जाएं तो इन्हें कोई परवाह नहीं रहती। इन झोलाछाप डॉक्टरों का लक्ष्य सिर्फ पैसे कमाना ही होता है। यही वजह है कि आए दिन गरीब तबके के लोग इन डॉक्टरों के शिकार हो जाते हैं। जिसका खामयाजा कई बार उन्हें अपनी मौत को गले लगाकर चुकाना पड़ता है। जिससे उन्हें अपनी जान तक गवाना पड़ता हैं। इसके बावजूद भी ऐसे झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाते। झुग्गियों में सैकड़ों की संख्या में झोलाछाप डॉक्टर क्लीनिक चला रहे हैं। उन्हें पता है कि विभाग कभी छापेमारी करने नहीं आएगा चूंकि विभागीय अधिकारियों के साथ उनकी सांठ-गांठ रहती है। किसी शिकायत पर अगर छापेमारी हो भी जाती है तो इसकी जानकारी इन्हें पहले ही मिल जाती है। अवैध क्लीनिकों के अलावा अवैध मेडिकल स्टोर भी सैकड़ों की संख्या में चल रहे हैं। यही नहीं इन मेडिकल स्टोर पर उन दवाइयों को भी आसानी से लिया जा सकता है जिन पर बैन है। सूत्रों का दावा है कि किसी झोलाछाप डॉक्टर के खिलाफ जब भी किसी के द्वारा शिकायत करने पर छापेमारी की जाती है। तो इससे पहले ही उन्हें इस छापेमारी की जानकारी मिल जाती है। इसी का फायदा उठाकर ये झोलाछाप डॉक्टर अपनी दुकान बंद कर मौके से गायब हो जाते हैं।

दिशा सालियान का नहीं हुआ था मर्डर

सीबीआई ने इसे आकस्मिक मौत का मामला बताया है। बता दें कि मुंबई के मलाड इलाके की एक इमारत की 12वीं मंजिल से गिरने के बाद दिशा सालियान की मौत हो गई थी। तब यह कहा जा रहा था कि यह एक हादसा नहीं बल्कि हत्या है। उस दौरान पुलिस ने जांच के बाद यह कहकर मामला बंद कर दिया था कि दिशा सालियान ने आत्महत्या की है। सीबीआई ने दिशा की मौत के संदर्भ में अलग से कोई मामला दर्ज नहीं किया था। जांच एजेंसी ने इस केस को एक्टर सुशांत सिंह की मौत मामले की जांच के साथ ही इन्वेस्टिगेशन का हिस्सा बना लिया था। इसकी वजह यह थी कि दोनों लोगों की मौत में महज एक सप्ताह का अंतर था और दोनों की मौत के बीच में कनेक्शन की भी बात सामने आई थी। दिशा सालियान की मौत हत्या करार देने वाले नेताओं में से एक बीजेपी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री नारायण राणे भी हैं। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस लेकर भी इस बात को खुलेआम कहा था कि मेरे पास दिशा सालियन की हत्या से जुड़े कई सबूत हैं। जिन्हें मैं समय आने पर जांच एजेंसी को दूंगा। उन्होंने यह दावा किया था कि दिशा सालियन ने आत्महत्या नहीं की है बल्कि उसकी हत्या की गई है। हालांकि, अब उनका यह दावा झूठा साबित हुआ है क्योंकि सीबीआई की जांच रिपोर्ट में कुछ और ही बात सामने आई है। इस मामले से यह भी पता चलता है की दिशा सालियान की मौत को जानबूझकर राजनीतिक रंग दिया गया था।

महाराष्ट्र: कोरोना ने 90 फीसदी बच्चों से छीना पिता का साया, सबसे ज्यादा पुरुषों की हुई मौत

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। कोरोना का नाम सुनते ही लोगों के पांव थम जाते हैं। ये वो महामारी है जो दो साल से लगातार अपना आंतक मचाए हुए है, हालांकि अब कोरोना महामारी कमजोर होती नजर आ रही है, लेकिन पिछले दो सालों के दौरान लाखों लोगों की मौत हुई हैं, हजारों बच्चों के सिरों से उनके माता-पिता का सहारा उठ गया। कुछ तो ऐसे भी हैं जिनके घरों में बच्चों के अलावा कोई बचा ही नहीं। इस महामारी के दौरान देश में महाराष्ट्र एक ऐसा जिला रहा जहां सबसे ज्यादा लोग कोरोना से पीड़ित रहे। राज्य में जिन बच्चों के परिजनों की मौत हुई है, उनमें से 90 प्रतिशत ने अपने पिताओं को खोया है। राज्य के महिला और बाल विकास

विभाग के आंकड़े के मुताबिक मार्च 2020 में महामारी की शुरूआत के बाद से महाराष्ट्र में 28,938 बच्चों ने अपने माता-पिता में से किसी एक को खोया है। इन परिजनों में 2919 महिलाएं (मां) थीं और 25883 पुरुष (पिता) थे। वहीं 136 मामलों में एक ही परिवार के एक से ज्यादा बच्चों को अपने माता या पिता को खोना पड़ा है। इसके अलावा 851 ऐसे बच्चे हैं जिन्होंने अपने माता और पिता दोनों को ही कोरोना महामारी के दौरान खो दिया है। महाराष्ट्र में अब तक कोरोना वायरस के कारण 1,39,007 लाख मौतें हो चुकी हैं, जो देश में सबसे ज्यादा है। मार्च, 2020 से लेकर अक्टूबर, 2021 तक राज्य में 1.39 लाख मौतें हुई थीं, जिनमें से 92,212 पुरुष और 46,779 महिलाएं थीं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार महाराष्ट्र के बाद केरल में 71,477 मौतें हुई हैं। जो देश में दूसरे नंबर पर है।

अन्नू कपूर के साथ साइबर ठगी करने वाला व्यक्ति मुंबई से गिरफ्तार

मुंबई। हिंदी फिल्मों के अभिनेता अन्नू कपूर से बैंक 'केवाईसी' विवरण अद्यतन करने के बहाने 4.36 लाख रुपये की ठगी करने के आरोप में 28 वर्षीय एक व्यक्ति को मुंबई से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी आशीष पासवान को सोमवार को अंधेरी उपनगरीय इलाके से गिरफ्तार किया गया। वह बिहार में दरभंगा का रहने वाला है और उसे बैंक खाते खुलवाने में लोगों की मदद पर कमीशन मिलता है। एक विशेष टीम ने तकनीकी साक्ष्य, मोबाइल फोन नंबर और ऑनलाइन लेनदेन के विवरण के जरिए पासवान की पहचान की। उन्होंने कहा कि आरोपी ने निजी बैंक में अपना खाता खोलते समय जो तस्वीर जमा की थी, वह भी मेल खा रही थी। उसी बैंक में कपूर का भी खाता है।

ना हिन्दू बुरा हैं ना मुसलमान बुरा हैं, आ जाए बुराई पे वो इंसान बुरा हैं : दिलशाद एस. खान

आज के कालजयी पत्रकार हैं वरिष्ठ पत्रकार दिलशाद एस. खान

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। देश में यूं तो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और प्रिंट मीडिया में पत्रकार जगत में कई नामचीन हस्तियां मशहूर हुई हैं, जिन्होंने पत्रकारिता इतिहास में अपनी-अपनी कलम का लौहा मनवाया है। लेकिन आज हम आपसे पत्रकारिता जगत में प्रिंट मीडिया के इतिहास की ऐसी शख्सियत का परिचय करवा रहे हैं जो किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। जिन्होंने पत्रकारिता जगत में अपनी उम्र के कई बसन्त पार कर लिए हैं और इस दौरान उन्होंने कई चुनौतियों का संघर्ष करते हुए सामना किया हैं और अपनी कलम का लौहा मनवाया है। जी हां हम बात कर रहे हैं मुंबई निवासी और राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र 'मुंबई हलचल' के प्रधान संपादक दिलशाद एस. खान की। दिलशाद एस. खान अपने क्षेत्र में ही नहीं पूरे देश में पत्रकारिता जगत में जाना पहचाना नाम है। पत्रकारिता का क्षेत्र हो या समाजसेवा का। दिलशाद खान हमेशा आगे रहते हैं। हर क्षेत्र में सभी तरह की प्रतिभाओं को तराशना हो तो सबसे पहले दिलशाद खान का नाम सबसे आगे आता हैं। वरिष्ठ पत्रकार दिलशाद खान मुंबई जैसे महानगर में अपनी खबरों से तो सुर्खियों में रहते ही हैं साथ ही माफियाओं की कारगुजारियों का पदार्फाश करने में अपनी पैनी नजर रखने

वाले दिलशाद खान उनकी नजरों में कांटे की तरह खटकते रहते हैं यही कारण है कि हमेशा उनकी नजर की नौक पर बने रहते हैं। वरिष्ठ पत्रकार दिलशाद एस. खान हिन्दू मुस्लिम की खाई को पाटते हुए अल्लाह के इबादत में तो सर झुकाते ही है साथ ही गणेश चतुर्थी पर गणपति बप्पा मोरया के गानों की धुनों पर डांडिया नृत्य महोत्सव में लोगों के सुर में सुर मिलाने में भी कतई गुरेज नहीं करते हैं। हिन्दू धर्म का कोई भी त्यौहार हो दिलशाद खान वहां अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में अपनी शान समझते हैं। यही कारण है कि वरिष्ठ पत्रकार दिलशाद एस. खान को सर्वधर्म समभाव की प्रतिमूर्ति कहा जाता हैं। ऐसे ही देश के कई ज्वलंत मुद्दों पर बड़ी बेबाकी से अपनी राय एवं विचार राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ से साझा करते हुए वरिष्ठ पत्रकार दिलशाद एस. खान ने कहा कि धर्म के नाम पर बेवकूफ बनाकर लोगों को लड़ाने वाले राजनेताओं को आड़े हाथों लेते हुए कटघरे खड़े करते हुए कहा कि यह सब अपने वोट बैंक की खातिर लोगों को बेवकूफ बनाकर अपना उल्लू सीधा करते हैं। ऐसे हालातों में जनता को सावधान रहते हुए इनसे बचना चाहिए तथा इनका पूर्णतः बहिष्कार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि 'ना हिन्दू बुरा हैं ना मुसलमान बुरा हैं, आ जाए जो बुराई पे वो इंसान बुरा हैं'। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दल कोई भी हो जो देशहित में काम करे वो सबसे बेहतर है। उन्होंने कहा कि वह पत्रकार बाद में तथा पहले एक 'सच्चे हिंदुस्तानी' और इंसान हैं। उन्होंने देश की सेना पर सवाल उठाने वाले राजनेताओं पर तगड़ा प्रहार करते हुए कहा कि सेना की बहादुरी पर उन्हें कतई शक नहीं है और ना किसी को करना चाहिए। उन्होंने सेना पर सवाल उठाने वाले राजनेताओं को मानसिक दिवालियापन का शिकार बताया। वर्तमान की पत्रकारिता जैसे चुनौती भरे में क्षेत्र में अदम्य हौसला रखने वाले कठिन और विलक्षण व्यक्तित्व के धनी वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादक दिलशाद खान की व्यापक और धैर्य की क्षमता को सौ सौ सलाम।

भुसावल में एक करोड़ का सोना लेकर बैंक मैनेजर फरार, पुलिस जांच जारी

मुंबई हलचल / संवाददाता

भुसावल। पांडुरंग टॉकीज के पास स्थित मनोपुरम गोल्ड बैंक के मैनेजर के एक करोड़ का सोना लेकर भाग जाने के बाद शहर में कोहराम मच गया। सूत्रों के अनुसार पांडुरंग टॉकीज के पास स्थित मनोपुरम बैंक में 2100 ग्राहक हैं, जिनमें से कुछ ग्राहकों ने बैंक से सोना तारण रख कर कर्ज लिया था। दो महीने पहले ही उत्तर प्रदेश निवासी एक व्यक्ति को मैनेजर के पद पर नियुक्त किया गया था, लेकिन बैंक लॉकर से दो किलो से अधिक सोना लेकर भाग निकलने का संदेह व्यक्त करते हुए बैंक, प्रशासन ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसकी कुछ कीमत एक करोड़ से अधिक बताई जा रही है दिलचस्प बात यह है कि घटना बैंक के ऑडिट के बीच में हुई पुलिस आगे की जांच कर रही है।

पोकरण में प्रदेश शैक्षिक अधिवेशन में शिक्षक नेताओं द्वारा शैक्षिक नवाचार पर मंथन किया जाएगा: धर्मेन्द्र गहलोत

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील) के राज्य स्तरीय शैक्षिक अधिवेशन दिनांक 25 व 26 नवम्बर 2022 को राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय पोकरण जिला जैसलमर में मुख्य अतिथि साले मोहम्मद अल्प संख्यक मामलात मंत्री राजस्थान सरकार जयपुर अध्यक्ष अब्दुल्ला फकीर पूर्व जिला प्रमुख एवं जिला परिषद सदस्य जैसलमेर विशिष्टअतिथि मनिष पुरोहित चेयरमेन नगर पालिका पोकरण आयोजित होगा जिसमें राज्य भर के शिक्षक प्रतिनिधि एवं शिक्षक नेताओं का पोकरण में जमावडा होगा। संगठन के प्रदेश मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा के अनुसार जिलामंत्री इनामुल हक कुरैशी ने बताया कि अधिवेशन में प्रदेशाध्यक्ष श्यामलाल आमेटा, सभाध्यक्ष अयुब हुसैन नीलगर, मुख्य महामंत्री धर्मेन्द्र गहलोत, कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष नीरज शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष निहालसिंह, ओम आचार्य, प्रीति गुर्जर, जयकिशन पंचारिया, हनवन्तसिंह मेडतिया, अशोक कुमार त्रिवेदी, नरेन्द्र शर्मा की उपस्थिति में शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं पर व्यापक स्तर पर चर्चा होगी जिसमें नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति, भारतीय संविधान की महत्ता पर प्रकाश, शिक्षा पाठ्यक्रम में खेलकूद को अनिवार्य विषय घोषित करने, विधवा परित्याकता एवं तलाकशुदा महिला को योग्यता आधार पर शिक्षिका एवं अन्य पदों पर सीधी भर्ती किये जाने, नेत्रहिन शिक्षकों को उनके गृह जिलो में प्राथमिकता के आधार पर

नियुक्ति दिये जाने, सातवें वेतन आयोग की विसंगति के लिए गठित डीसी सामन्त कमेटी की लाभकारी सिफारिशे 1 जनवरी 2016 से लागु करवाने, तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानान्तरण करवाने, एकीकरण के तहत बन्द विद्यालयों को पूनः खुलवाने, प्रारम्भिक शिक्षा विभाग में पुरे राजस्थान में शहरी क्षेत्र में 70 प्रतिशत से अधिक रिक्त पदो को भरने, प्रयोगशाला सहायक से अध्यापक पद पर समायोजित शिक्षकों को अध्यापक के समान समस्त परिलाभ दिये जाने, पदोन्नति प्राप्त व्यख्याताओं की ग्रेड पे 5400 कर 10-20-30 के स्थान पर 9-18-27 का चयनित वेतनमान दिये जाने, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में इस वर्ष नामांकन वृद्धि के फलस्वरूप पदों को सृजित करवाने, अप्रशिक्षित पैराटीचर्स का मानदेय दुगुना करवाने, उप प्रधानाचार्य का नवीन कैडर बनाकर ग्रेड पे 6000 करवाने, शिक्षकों को बीएलओं एवं गैर शैक्षणिक कार्यो से मुक्त करवाने, पीडी हैड के शिक्षकों की वेतन व्यवस्था माह की पहली तारिख को सुनिश्चित करवाने, समय बद्ध पदोन्नति प्रक्रिया शुरू करवाने, राज्य सरकार द्वारा एनपीएस को ओपीएस में बदलने के ऐतिहासिक फैसले पर सरकार का धन्यवाद प्रस्ताव पारित करने सहित समस्याओं पर चर्चा कर राज्य सरकार को भेजे जायेंगे। अधिवेशन संयोजक नवनारायण जोशी एवं सह संयोजक नारायणदास शर्मा ने तैयारियों को अन्तिम रूप दिया है। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

वर्ल्ड कराटे फेडरेशन के तत्वाधान में अयोजित इंडोनोसिया में भारतीय खिलाड़ियों ने दिखाया दम, प्रणय शर्मा ने रचा इतिहास

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

नई दिल्ली। हाल में ही जकार्ता, इंडोनेशिया में 18-20 नवम्बर को सम्पन्न हुई WKF Series A विश्व प्रतियोगिता में दिल्ली के 22 वर्षीय भारतीय कराटे खिलाड़ी प्रणय शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान, इंडोनेसिया, इंग्लंड, ऑस्ट्रेल्या, टर्की और उक्रेन, जैसे देशों के खिलाड़ियों को हरा कर स्वर्ण पदक जीत कर अपने देश का नाम रोशन किया। प्रणय शर्मा का स्वर्ण पदक जीतना भारतीय कराटे खेल में इतिहास बन गया क्योंकि आज तक कोई भी भारतीय कराटे खिलाड़ी विश्व स्तर की प्रतियोगिता में कांस्य पदक तक भी नहीं जीत पाया। देश के विख्यात और

वरिष्ठ कराटे प्रशिक्षक भारत शर्मा को अपना आदर्श और प्रेरणा स्त्रोत मानने वाले उनके सुपुत्र प्रणय शर्मा का स्वर्ण पदक जीतना देश के स्वर्णिम भविष्य की तरफ इशारा कर रहा है। आगामी ऐशीयन गेम्स में देश के लिये पदक जीतना ही प्रणय शर्मा का अगला लक्ष्य है। खिलाड़ियों को प्रोत्साहन के लिए खेल मंत्रालय को इस ओर ध्यान देने की आवश्यकता है ताकि खिलाड़ियों में जुनून कायम रहे और इसी तरह देश और दुनिया में भारतवर्ष का नाम रोशन करता रहे उन्हें इनाम की स्वरूप जकार्ता में वर्ल्ड कराटे चैंपियनशिप ने प्रथम स्थान प्राप्त करने पर डब्लू के अफ द्वारा 500000 का प्रोत्साहन राशि भी दिया गया है केंद्र सरकार को चाहिए कि ऐसे खिलाड़ियों को नौकरी एवं प्रोत्साहन राशि भी देना चाहिए, ताकि दूसरे खिलाड़ी भी इसे प्रोत्साहित हो सके।

राज्य उत्पादन शुल्क विभाग ने मारे अवैध शराब अड्डों पर छापे, दो लाख का माल जब्त

मुंबई हलचल / संवाददाता

बुलढाणा। राज्य उत्पादन शुल्क विभाग ने सावखेड भोई तहसील देऊळगावराजा में 19 नवंबर को अवैध देशी शराब बेचने वाले एक व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की गई। इसमें एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर दो लाख 3 हजार 900 रुपये सहित एक वाहन जब्त किया गया है। चिखली में राज्य उत्पादन शुल्क निरीक्षक और दुय्यम निरीक्षक टीम ने सावखेड़ भोई तहसील देऊळगावराजा यहां एक वारिस ने अपराध दर्ज कर कार्रवाई की। इनमें से एक आरोपी प्रवीण वसंता हांडे, रा. देऊळगाव राजा खिलाफ कार्रवाई की गई। कार्रवाई

के दौरान एक इंडिका कार MH42H4427 और जालना जिले से 138.6 लीटर देशी शराब सहित कुल 2 लाख 3 हजार 900 रुपये का माल जब्त किया गया। इस कार्रवाई में निरीक्षक जी. आर. गावंडे, दुय्यम निरीक्षक आर. ई. सोनुने, एस. डी. चव्हाण उनके साथ एस. डी. जाधव, श्री. निकाळजे, श्री. अवचार ने इस ऑपरेशन को सफल बनाया। अधीक्षक भाग्यश्री जाधव के मार्गदर्शन में राज्य उत्पादन शुल्क विभाग ने 1 जनवरी 2022 से 21 नवंबर 2022 की अवधि में कुल 1 हजार 137 अपराध दर्ज किए गए हैं। इनमें से एक हजार 42 विरासत अपराध में 1 हजार 83 आरोपीयो और 74 वाहनों सहित कुल 1 करोड़ 41 लाख 12 हजार 164 रुपये का मुद्देमाल जप्त किया गया है।

आजादी से लेकर आज तक मुस्लिम नेता महज टिकट तक सिमित

संवाददाता सैय्यद अलताफ हुसैन

बाड़मेर। आप पूरे भारत की राजनितिक का विश्लेषण कर दीजिये मुस्लिम समाज सबसे ज्यादा सत्ता धारी पार्टियों के साथ रहा है... लेकिन पिछड़ा क्यों जिसकी खास वजह है मुस्लिम नेता मुस्लिम लीडर मेहज टिकट तक सिमित रहे। टिकट मिलना नेता को उसका मतलब समाज ने न्याय विकास समझ लिया!! किसी भी राज्य मे मुस्लिम समाज के किसी भी नेता ने आरक्षण हो शिक्षा हो या कई सामाजिक या राजनितिक घटनाओ को लेकर विरोध नहीं किया है। अपन राजस्थान की बात करे तो.. वर्तमान सत्ता में कांग्रेस सरकार मे 9विधायक है और कांगेस को यहाँ मुस्लिम समाज ने 99% वोट दिया इतना वोट %एक तरफ किसी समाज ने किसी भी पार्टी को नहीं दिया होगा राजस्थान मे लेकिन खामोश है बहुत सारी घटनाई घटी ये नेता छुपे हुए थे।

1. उर्दू को लेकर 2. मदरसा टीचर को लेकर 3. ओबीसी के साथ इंसाफ की गुहार को लेकर और भी कई मुद्दे है जिनपर खामोशी इख़्तियार करके बैठे है जिसकी वजह सबसे ऊपर और एक नंबर है परम्परिक टिकट सायद बोलीगे तो टिकट कटेगी.. कभी कभी तो लगता है इनकी खामोशी देखकर की सायद तेय यहि हुआ टिकट दिंगे मगर बोलोगे कुछ नहीं... खैर समाज राजनितिक स्तर पर बहुत बुरे दौर से गुजर रहा है... जिसमें कोई शक की गुंजाईश नहीं है.. वैसे दूसरे समाज के नेता अपने समाज क्षेत्र को लेकर लड़ते है सरकार से और हमारे नेता टिकिट मिले इसको लेकर लड़ते है... खैर, दुनियावी दस्तूर को और दुनिया के सिस्टम को चलाने के लिए बहुत सारे विकल्प है जो चलाते है! लेकिन राजनितिक का मुख्य स्थान है. भारत आजाद से लेकर आज तक मुस्लिम समाज ने जिन मुख्य पार्टियों का साथ दिया है वो ज्यादातर सत्ता मे रहे है... मे आपको बहुत पीछे नहीं ले जाते हुए वर्तमान लीडरशिप से रूबरू कराता हूँ। केंद्र की राजनितिक मे बाकी समाज बहुत सारी पार्टियों को सपोर्ट करते होंगे स्थानीय समस्या या स्थानीय पार्टी या व्यक्ति विशेष को लेकर लेकिन मुस्लिम समाज सिर्फ कांग्रेस का प्रधानमंत्री बने ये दिमाग रखकर वोट डालता है ये मुस्लिम वोट %प्रतिशत कांग्रेस की तरफ बयान करते है उसमें ये भी मायने नहीं रखता अटल बिहारी जी लहर है या मोदी लहर है मुस्लिम इधर के उधर नहीं हुए जिसकी वजह है मुस्लिम माहौल और दिमागी सोच के गुलाम हो गए और अल्पसंख्यक है तो थोड़ा अशहज मेहसूस भी करते है.. ये मेजोरिटी वाले नहीं समझ सकते.. क्योंकि राजनितिक स्तर पर मुस्लिम ऐसे मुकाम पर खड़े हो गए है .. मानो एक मुजरिम है एक केदी है राजनितिक मे वर्तमान राजनितिक मे तो मुस्लिम समाज के साथ और उनके सपोर्ट समर्थन मे खडा होना उनके हक के लिए बोलना किसी भी नेता के लिए कठिन से कठिन फैसला है। मुस्लिम

समाज की पहली प्राथमिकता कांग्रेस है केंद्र चुनाव के लिए बाकी कोई पार्टी माईने नहीं रखती है.. फिर आप राज्य सरकारों मे आओगे तो जहाँ बीजेपी कांग्रेस के मुकाबला होता है वहां तो कांग्रेस साथ ही रहना है.. अन्य कोई भी क्षेत्रीय पार्टी के साथ भी नहीं. और जहाँ दूसरी पार्टियां है जैसे... वस्र में अखिलेश जी पसंद है...2. बिहार मे लालू जी ..3. बंगाल में ममता जी..4. दिल्ली मे केजरीवाल जी... हर उस पार्टी का साथ देते है जो टिकट देती है और टोपी सर पर डालकर जिस पार्टी का नेता फोटो खिचवाता है और सेहरी या इफ्तारी की या तो दावत करता हो या दावत मे आता हो खैर .... बीजेपी टिकट नहीं देती है तो माहौल तो बन ही जाता है मुस्लिम विरोधी और बाकी पार्टियां भी उकसाने लगती है... ये बीजेपी का मास्टर प्लान भी है जिसमें धार्मिक वोट %उनके खेमे मे ज्यादा आता है लेकिन मान लेता हूँ इन वर्तमान 8सालों मे बीजेपी पर ठीकरा फोड़ कर खुश हो जाता हूँ की हमे बीजेपी ने पीछे धकेला.... पर पता तो वो भी करो जब बीजेपी थी नहीं तब कौन धकेल रहा था तब तो डेलीकेट से लेकर प्रधानमंत्री तक सत्ता मे थे हमारे वोट... हम टिकट से खुश थे और टिकट भी हमे वहां पार्टियां देती है जहाँ हमारा जिस क्षेत्र मे वोट %प्रतिशत 20%से ज्यादा हो उसमें भी उन पार्टियों के कद्दावर नेता भी चुनाव वहां से लड़ते है जहाँ हमारे वोट %ज्यादा है उनको मालूम है ये हमारे वोट है हमारी जेब मे है.... मुस्लिम समाज को चाहिए की अब वक्त पहले जैसा नहीं रहा नाम की नहीं काम की राजनितिक को करना चाहिए और पार्टियों और कद्दावर नेताओं की जेब से निकलकर अपने हक अपने हुकूक और अपनी समस्याओ से पार्टियों और नेताओं को रूबरू कराये और उनको पाने के लिए लड़े वरना बहुत मुश्किलों का सामना करना पढ़ेगा समाज को और आने वाली पीढ़ियों को। **लेखक सदाम भानू**

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कानपुर में सिपाही को पीटने वाले वकीलों की तलाश में जुटी पुलिस : अधिवक्ता भी लामबंद

मुंबई हलचल/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां गत दिवस वीआइपी रोड पर सड़क किनारे गाड़ी खड़ी करने और चालान करने को लेकर हुए विवाद के दौरान सिपाही की बेरहमी से पिटाई के मामले में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी वकीलों की तलाश शुरू कर दी गई है। लेकिन कई जगह छापे मारने के बाद भी समाचार लिखे जाने का एक भी आरोपी वकील को गिरफ्तार नहीं किया जा सकता है वही उनके पक्ष में अधिवक्ता भी लामबंद हो गए हैं। दर असल यह एक महीने के भीतर यह दूसरी घटना है, जब वकीलों ने यातायात की व्यवस्था को ठीक करने वाले पुलिस वालों के साथ मारपीट की है। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई है, जिसके बाद संयुक्त पुलिस आयुक्त के आदेश पर तीन वकीलों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है। साथ ही उनकी गिरफ्तारी के लिए तीन टीमों का गठन भी किया गया है। अवगत कराते चलें कि बीते मंगलवार को वीआइपी रोड पर महिला थाने के सामने जितेंन्द कुशवाह नाम के यातायात सिपाही की ड्यूटी के समय दोपहर करीब पौने दो बजे एक सड़क किनारे

– सिपाही की पिटाई के फलस्वरूप अब वकीलों के वाहनों का चालान करने से डर रहे पुलिस वाले

– कानपुर में पहले भी कई बार हो चुका पुलिस और वकीलों के बीच झगड़ा

खड़ी वैगनार कार की वजह से जाम लग रहा था। यही वजह थी कि सिपाही ने चालान करने के इरादे से उस वैगनार कार की फोटो खींची थी। इसी दौरान उसका अधिवक्ता सत्येंद्र बाजपेयी उर्फ चंदू से गाड़ी की फोटो खींचने को लेकर विवाद हो गया था। आरोप है कि इसी के बाद अधिवक्ता ने साथी अधिवक्ता आशुतोष कटियार और जितेन्द्र उर्फ जीतू बाजपेई को बुला कर एक राय होकर सिपाही पर हमला बोल दिया था। सिपाही के मुताबिक तीनों वकीलों ने उसकी वर्दी फाड़ दी, मोबाइल तोड़ दिया। उन्होंने उसे जान से मार देने की धमकी दी। साथ ही कहा कि वह लोग पेशे से अधिवक्ता हैं, उनका कुछ नहीं बिगड़ सकता। बाद में आठ दस और अधिवक्ता भी उनकी मदद को आ गए, जिन्हें वह नहीं जानता है। घटना के बाद सिपाही ने मामले की जानकारी उच्चाधिकारियों को दी थी। वहीं सीसीटीवी कैमरे में तीनों वकील सिपाही को मारते पीटते दिखाई दिए। इस पर संयुक्त पुलिस आयुक्त आनंद प्रकाश तिवारी के आदेश पर तीनों को नामजद व आठ दस अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश की जा रही है। लेकिन समाचार लिखे जाने तक एक भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया जा सका है। याद रहे कि यह घटना पहली नहीं इसके पहले भी कई बार वकीलों और पुलिस के बीच जमकर संघर्ष हो चुका है।

पौरोहित्य प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ द्वारा संचालित 2022 द्वितीय सत्र पौरोहित्य प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ 'शंभु दयाल वैदिक संयास आश्रम, दयानंद नगर, गाजियाबाद' में स्वामी सूर्यवेश जी के सानिध्य में आश्रम के ब्रह्मचारीयों आचार्य एवं प्रशिक्षणार्थियों के साथ ऋग्वेद के विशेष मंत्रों द्वारा वैदिक यज्ञ से प्रारंभ हुआ। शुभारंभ के शुभ अवसर पर 'स्वामी सूर्यवेश जी' ने कहा कि पुरोहित की समाज में बहुत बड़ी भूमिका होती है, पुरोहित जन्म से लेकर मृत्यु तक के सभी संस्कारों को संपन्न करवाता है और पुरोहित कार्य कोई साधारण कार्य नहीं है,पुरोहित सभी संस्कारों के बड़ी शुद्धता पवित्रता के साथ संपन्न करवाता है। यह जानना आवश्यक है कि, मानव के सम्यक निर्माण में माता-पिता, आचार्य के साथ पुरोहित की बहुत बड़ी भूमिका होती है।पुरोहित एक

प्रकार का समाज का शिक्षक है जो धर्म संस्कृति की रक्षा के लिए घरों घरों में जा-जा कर अपने शास्त्र सम्मत संस्कारों को कराकर मानव निर्माण में अपनी भूमिका निभाता है। वैदिक यज्ञ के पश्चात स्वामी जी ने सभी को संस्कृत संस्थान द्वारा संचालित पौरोहित्य प्रशिक्षण निःशुल्क शिविर में अपनी भागीदारी बढ़ाते हुए शिक्षा प्राप्त करने की प्रेरणा दी और अंत में सभी को अपना आशीर्वाद प्रदान किया। ज्ञात हो कि 'उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान' अपने प्रशिक्षकों के द्वारा जनपद केंद्रों के माध्यम से योग,पौरोहित्य,ज्योतिष एवं वास्तु तथा संस्कृत संभाषण शिविरों का संचालन करता है। उक्त कार्यक्रम का संचालन जनपद प्रशिक्षक 'डॉ. अग्नि देव शास्त्री' ने किया। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

आइजोल से 13 करोड़ की हेराइन जब्त, 2400 किलो विस्फोटकों की बरामदगी मामले में एक गिरफ्तार

आइजोल। मिजोरम पुलिस ने आइजोल जिले से 2.76 किलोग्राम हेरोइन जब्त की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 13.8 करोड़ रुपये बताई जा रही है। मिजोरम पुलिस ने बताया कि सोमवार रात 11:45 बजे आइजोल जिले में जोनुआम पुलिस चौकी पर टेव रोड के किनारे 22 काले पॉलीथिन बरामद की गई। जांच करने पर 2.76 किलोग्राम वजन की हेरोइन के कुल 215 साबुन मिले बरामद किए गए। वहीं, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण ने 2,400 किलोग्राम से अधिक विस्फोटकों की बरामदगी के सिलसिले में एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आशंका है कि विस्फोटक म्यांमार सरकार के खिलाफ लड़ रहे एक समूह के लिए बनाए गए थे। जांच एजेंसी के एक प्रवक्ता ने बताया कि लालरिंगसंगा को सोमवार को आइजोल से गिरफ्तार किया गया। मामला 21 जनवरी को मिजोरम के टीपा का है। यहां एक वाहन से 2,421 किलोग्राम विस्फोटक, 1,000 डेटोनेटर, 4,500 मीटर डेटोनेटर फ्यूज तार, 73,500 रुपये तथा 9.35 लाख से अधिक म्यांमार की मुद्रा क्यात बरामद की गई थी। यह खेप म्यांमार के संगठन के लिए थी।

विद्वत्ता के साथ साथ सरलता सेवा की प्रतिमूर्ति हैं भाई जी: आनंद चौहान

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री व वैदिक विद्वान आचार्य महेन्द्र भाई की एक वर्ष आस्ट्रेलिया प्रवास के उपलक्ष्य में आर्य समाज विवेक विहार पूर्वी दिल्ली में भव्य अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आर्य नेता यशोवीर आर्य ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुकुल नोएडा के आचार्य डॉ. जयेन्द्र ने यज्ञ के साथ किया, उन्होंने यज्ञमान परिवार को पुष्प वर्षा कर आशीर्वाद प्रदान किया। मुख्य अतिथि एमिटी शिक्षण संस्थान के निदेशक आनंद चौहान ने कहा कि महेन्द्र भाई विद्वता के साथ साथ सेवा सरलता की प्रतिमूर्ति है यज्ञ के प्रति आपकी अपार श्रद्धा है आपका जीवन प्रेरणा स्रोत है। आर्य सन्यासी स्वामी आर्य वेश ने कहा कि अब भाई जी आस्ट्रेलिया पहुंच कर आर्य समाज का प्रचार

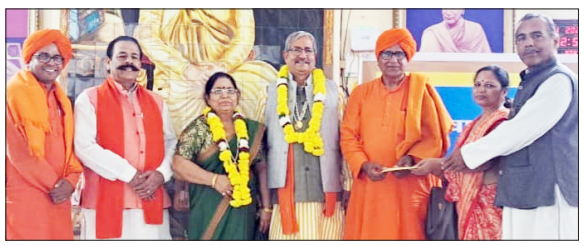

प्रसार करेंगे और युवा शक्ति को भारतीय संस्कृति के रंग से रंगेंगे। केंद्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि युवा पीढ़ी का निर्माण सबसे बड़ी चुनौती है जिसे भाई जी अपने पुरुषार्थ से पूरा करेंगेका केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् उत्तर प्रदेश के प्रांतीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने अपनी शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि आचार्य महेन्द्र भाई महर्षि दयानंद सरस्वती जी के अनन्य भक्त हैं,वे महर्षि के बताए मार्ग पर वेदानुकूल चलते हुए वैदिक विचारधारा और उनके मन्तव्यों को आर्य समाज के माध्यम से,आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविरों द्वारा देश ही नहीं अपितु विदेशों में भी जन जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। गायिका प्रवीन आर्या पिंकी, शिशुपाल आर्य, प्रवीण आर्य गाजियाबाद, कुसुम भंडारी, नरेश प्रसाद आर्य आदि के मधुर भजन हुए। आर्य नेता पीयूष शर्मा, उषा किरण कथूरिया,राजकुमारी शर्मा, जस्टिस वी के मिश्रा,डॉ. सुनील रहेजा,डॉ. डी के गर्ग,स्वामी आदित्य वेश,सोनिया संजू,राधा भारद्वाज, सूर्यदेव शास्त्री,ब्रह्मदेव वेदालंकार,प्रमोद चौधरी, बिजेंद्र सिंह आर्य,आदि ने अपनी शुभकामनाएं प्रदान की।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

भूलकर भी ना दें अपने बच्चों को ये दवाइयां

बच्चों के बीमार पड़ने पर अक्सर मां-बाप उन्हें डॉक्टर के पास लेकर जाते हैं। वहीं कुछ ऐसे भी जो खुद ही डॉक्टर बन जाते है और अपने दिमाग से इलाज करना शुरू कर देते हैं। यह तरीका कभी-कभी बच्चों के लिए परेशानी का कारण भी बन सकता है। खासकर छोटे बच्चों को बिना डॉक्टर की सलाह लिए उन्हें कोई भी दवाई नहीं देनी चाहिए।

एंटीथिस्टेमाइंस

नींद ना आने पर लोग इस दवाई का सेवन करते हैं। अक्सर जब बच्चों को नींद नहीं आती तो ऐसे में कुछ मां-बाप यह दवाई अपने बच्चों को देते हैं। ऐसा बिल्कुल भी ना करें क्योंकि इस दवाई से बच्चों के मानसिक संतुलन पर असर पड़ता है।

उल्टी की दवा

अक्सर बच्चे अपनी मां का दूध पीते समय तुरंत उल्टी कर देते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं होता कि उन्हें दूध कितनी मात्रा में पीना चाहिए। ऐसे में लोग बच्चों को उल्टी की दवाई देते है, जो कि उन्हें नहीं देनी चाहिए। दवाई की जगह डॉक्टर से संपर्क करें।

एंटीबायटिक दवाइयां

मौसम के बदलाव से बच्चों को सर्दी जुकाम हो जाता है तो ऐसे में कुछ लोग बच्चों को
एंटीबायटिक दवाइयां देने लगते हैं, जो बच्चों की प्रतिरोधक क्षमता को कम करता है।

एस्पिरिन

अपने बच्चे को एस्पिरिन की दवाई कभी भूलकर भी न दें क्योंकि डॉक्टर 20 साल से कम उम्र के बच्चों को एस्पिरिन देने की सलाह नहीं देते हैं। यह दवाई बच्चों के किडनी और लिवर पर बुरा प्रभाव डालती हैं।

सिर्फ 15 मिनट में होंगे ब्लैकहेड्स छूमंतर!

ब्लैक हेड्स की समस्या एक ऐसी समस्या है जिससे चेहरा भद्दा सा लगने लगता है। कुछ लोग इनको दबाकर निकालने की गलती कर देते है जिससे त्वचा पर निशान पड़ जाते है। ऐसे में आप कुछ घरेलू तरीके अपना कर ब्लैक हेड्स की समस्या को दूर कर सकते हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे ही नुस्खे बताएंगे, जिनकी मदद से आप 15 मिनट में ब्लैक हेड्स की समस्या से छुटकारा पा
सकते है।

1. बेकिंग सोडा : 3 चम्मच पानी में 3 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाएं और त्वचा पर लगाए। थोड़ी देर बाद इसे हल्के गर्म पानी से साफ कर दें।

2. नींबू: दिन में 3 बार ब्लैकहेड्स जगह पर नींबू का रस निकाल कर लगाएं। ब्लैकहेड्स एकदम साफ हो जाएंगे।

3. ओट्स और गुलाबजल: ओट्स और गुलाबजल को मिलाकर मास्क बनाए और 15 मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं।

4. कच्चा आलू: कच्चे आलू की स्लाइस को लेकर ब्लैकहेड्स जगह पर रगड़े और कुछ देर तक मसाज करते रहे। त्वचा साफ हो जाएगी।

5. अंगूर : अंगूर को मैश करके पेस्ट बना लें और उसे ब्लैक हेड्स के ऊपर लगाएं और 15 मिनट तक सूखने दें। इसके बाद गुनगुनें पानी से चेहरा धो लें।

नैचुरल कंडीशनर से करें बालों का रूखापन दूर!

सर्दियां में बाल रूखे, बेजान और चिपचिपे से हो जाते है साथ ही इनकी चमक कहीं खो सी जाती है। इन सब समस्याओं को दूर करने के लिए मार्किट में बहुत से कंडीशनर, शैंपू जैसे उत्पाद उपलब्ध होते है लेकिन ये उत्पाद कई लोगों को तो सूट कर जाते है परन्तु कुछ लोगों पर इनके बहुत से साइड-इफैक्ट होते है क्योंकि इनमें बहुत से कैमिकल्स मिले होते है। ऐसी स्थिति में घरेलू तरीके से इन समस्याओं को दूर करना बेहतर है। किचन में मौजूद चीजों के इस्तेमाल से आप घर पर ही नैचुरल तरीके से कंडीशनर बना सकते है और अपने बालों को चमका सकते है। इनसे किसी तरह का नुकसान नहीं बल्कि फायदा ही फायदा होता है।

1. चायपत्ती: चाय की पत्ती को उबालकर उसमें नींबू का रस मिला लें। शैंपू करने के बाद इस कंडीशनर का इस्तेमाल करें। इससे बालों की जडें मजबूत होती हैं और बाल चमकदार बनते है।

2. शहद: आप शहद को पानी में मिलाकर लगा सकते है। यह बालों में कंडीशनर का काम करता है। इससे रूखे बालों में नमी आती है।

3. अंडा: 1 अण्डे को फेंट कर उसमें एक चम्मच नारियाल या जैतून का तेल और शहद मिलाकर पेस्ट बना लें। इससे बालों की अच्छी तरह से मालिश करें। इसके बाद शैंपू कर लें।

4. मेहंदी: चिपचिपे और तैलिए बालों के लिए हिना सबसे अच्छा कंडीशनर है। इसके लिए 1 कप हिना में आधी कटोरी दही, दो अण्डे और नींबू का रस मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे बालों पर 1 घंटे के लिए लगा रहने दें फिर बाल धो लें।

'ना' में छिपा खूबसूरती का खजाना

खूबसूरत दिखना हर किसी की चाहत होती है और खूबसूरत दिखने के लिए हम तरह-तरह के जतन करते हैं। महंगी क्रीम या फिर अन्य प्रकार के सौंदर्य प्रसाधनों का प्रयोग करते हैं लेकिन ये बात बहुत से शोधों में सिद्ध हो चुकी है कि हम जो भी खाते हैं उसका हमारी त्वचा पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ता है। अच्छा खाने से ना सिर्फ हमारी समस्याओं का समाधान होता है जैसे पिम्पल्स, रैशेज, ब्लैक हेड्स इत्यादि। इतना ही नहीं अच्छा खा के हम अपने चेहरे के निखार को भी बढ़ सकते हैं। त्वचा विशेषज्ञ डॉ मेघा शाह (ब्यूटी एंड कर्स क्लिनिक) का कहना है कि खूबसूरत लगने के लिए जितना जरूरी है अच्छा खाना उतना ही जरूरी है वैसे खाद्य पदार्थों से दूर रहना जिनके वजह से हमारी त्वचा को नुकसान होता है। आइए उनसे जाने कौन से हैं वो खाद्य पदार्थ जिससे दूरी बना कर आप खूबसूरत नजर आएंगे वो भी बिना किसी मशक्कत के।

चीनी

क्या आप जानते हैं कि चीनी से दूर रह कर आप बहुत सारी बीमारियों से बच सकते हैं इतना ही नहीं ये भी सच है कि चीनी हमारी त्वचा के लिए भी अच्छी नहीं होती है लेकिन चीनी से दूरी बनाने का ये मतलब हरगिज नहीं है कि आप शुगर फ्री से दोस्ती कर लें। इस बात को जान लें कि शुगर फ्री बहुत सी स्वास्थ्य समस्याओं को देता है। हॉलीवुड और बॉलीवुड के कई सितारे और डॉक्टर्स भी इस बात की सलाह देते हैं कि किस प्रकार बस चीनी से दुरी बनाकर आप अपने निखार को बढ़ा सकते हैं।

डिब्बाबंद खाना

यह बात कई शोधों में सिद्ध हो चुकी है कि डिब्बाबंद और केमिकल से युक्त खाद्य पदार्थ हमारी सेहत पर बहुत ही घातक प्रभाव डालते हैं। लेकिन आजकल हमारी जिन्दगी इतनी व्यस्त हो चुकी है कि ये हमारी लाइफस्टाइल का एक अंग बन गए है। इसके बाद भी हम इस बात से इनकार नहीं कर सकते हैं कि हम जो भी खाते हैं उसका हमारी त्वचा और हमारे स्वास्थ्य पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ता है। इसलिए हमारी यही सलाह है कि आप अपनी डाइट का काम से काम 80 प्रतिशत भाग नैचुरल चीजों का ही रखें, क्योंकि हम जैसा खाते हैं वैसे दिखते हैं।

मैदा

ये जानकार बहुत से लोगों को बहुत दु:ख होता है कि फेवरेट चीजे जिनके बिना शायद उनकी जिन्दगी में स्वाद ही नहीं रहेगा जैसे नूडल्स, पास्ता, पिज्जा, मोमोज आदि जो की मैदे से ही होती हैं वो स्किन के लिए बिल्कुल भी अच्छे नहीं होते। इसके अलावा वैसे खाद्य पदार्थ ग्लाइसेमिक इंडेक्स बहुत ही हाई होता है वो भी हमारी त्वचा की सेहत के लिए अच्छे नहीं होते हैं।

नमक

क्या आपने भी भी सुबह उठने के बाद अपनी आंखों के आस-पास सूजन महसूस की है अगर हां तो यह नमक के अधिक सेवन की वजह से भी हो सकता है। आंखों के आसपास हमें अधिक नमक का असर जल्दी नजर इसलिए आ जाता है, क्योंकि वह त्वचा बहुत ही ज्यादा पतली और नाजुक होती है लेकिन इससे ही आप अंदाजा लगा सकते हैं कि यह हमारी त्वचा के लिए कितना हानिकारक है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

डर गई हैं तापसी पन्नू?

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू नई फिल्म लेकर आ रही हैं, जिसका नाम है 'ब्लर'। ये फिल्म थियेटर पर नहीं, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। इसका मोशन पोस्टर भी रिलीज कर दिया गया है। इस मूवी से तापसी डायरेक्शन में डेब्यू करने जा रही हैं। अब सवाल ये उठ रहा है कि क्या तापसी डर गई हैं, जिस वजह से वो फिल्म को थियेटर में रिलीज करने की बजाय ओटीटी पर रिलीज कर रही हैं! तापसी पन्नू ने 'पिंक', 'नाम शबाना', 'मुल्क', 'थप्पड़' और 'हसीन दिलरुबा' सहित कई फिल्मों में शानदार एक्टिंग की हैं, लेकिन उनकी कई पिछली फिल्में लगातार फ्लॉप हुई हैं। उनकी 'रश्मि रॉकेट' नहीं चली। 'लूप लपेटा' भी फ्लॉप हो गई। 'शाबाश मिठू' भी बॉक्स ऑफिस पर धड़ाम हो गई। 'दोबारा' का भी कुछ ऐसा ही हाल हुआ। ऐसे में कहा जा रहा है कि वो अब रिस्क उठाना नहीं चाहती थीं। इसलिए उन्होंने ओटीटी पर ही 'ब्लर' को रिलीज करने का फैसला किया। भले ही ये उनकी पहली डायरेक्टोरियल मूवी है। फिल्मों के फ्लॉप होने के अलावा तापसी का रवैया भी उन पर भारी पड़ रहा है। दरअसल, उन्हें बीते कई महीनों में कई बार पपाराजी पर भड़कते हुए देखा गया है।

फूटा मलाइका का गुस्सा

मलाइका अरोड़ा अपने नए ओटीटी शो 'मूविंग इन विद मलाइका' को प्रमोट करने के दौरान हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में ट्रोलिंग को लेकर खुलकर बात की। इस दौरान उन्होंने कहा, चाहे मेरा ड्रेसिंग सेंस हो, चलने का स्टाइल हो, मेरी उम्र हो, मेरी लव लाइफ हो, या फिर मेरे पुराने रिश्ते हों, हर चीज के लिए ट्रोल किया जाता है। मैं अपनी डेली रुटीन में जो भी करु मुझे हर चीज के लिए ट्रोल किया जाता है। वहीं ट्रोलिंग से डेल करने को लेकर सवाल पूछे जाने पर मलाइका ने बड़ी ही बेबाकी से जवाब देते हुए कहा, मुझे ट्रोलिंग से फर्क नहीं पड़ता। अब ट्रोलिंग मेरी जिंदगी का एक हिस्सा बन चुका है। लेकिन मेरे करीबी इस ट्रोलिंग की वजह से जरुर दुखी हो जाते हैं। हालांकि शुरूआत में मैं भी ट्रोलिंग से काफी इफेक्ट हो जाती थी। अपनी काबिलियत पर शक करने लगती थी, लेकिन अब नहीं। इसी के साथ उन्होंने आगे कहा, मैं समझ गई हूं कि मैं किसी भी इंसान की सोच को नहीं बदल सकती हूं। जो लोग मेरे अपने हैं, वह मुझे अच्छी तरह से जानते हैं और इतना मेरे लिए काफी है। अब मैं ट्रोल्स को जवाब देने के लिए 'मूविंग इन विद मलाइका' नाम का शो लेकर आ रहीं हूं। इस शो के जरिए मैं ट्रोल करने वालों को करारा जवाब देने वाली हूं।

सलमान की भांजी भी बॉलीवुड में एंट्री को है तैयार

बॉलीवुड के भाईजान यानि सलमान खान के लाखों करोड़ो चाहने वाले है। सलमान खान ने अपने सालों के करियर में अपनी मेहनत से इस इंडस्ट्री में ये मुकाम हासिल किया है। साथ ही सलमान ने कई नए चेहरों को इस इंडस्ट्री में अपना सफर शुरू करने का मौका दिया है। अब खबरें आ रही है कि सलमान खान की भांजी अलीजेह भी बड़े पर्दे पर अपनी एक्टिंग से लोगों के दिल जीतने के लिए तैयार है। बता दें कि अलीजेह, सलमान खान की बहन अलवीरा खान अग्निहोत्री और अतुल अग्निहोत्री की बेटी हैं। अलीजेह के पिता अतुल अग्निहोत्री एक मशहूर बॉलीवुड एक्टर हैं, वहीं उनकी मां अलवीरा खान अग्निहोत्री फिल्म प्रोड्यूसर और फैशन डिजाइनर भी हैं। बीते कई दिनों से अलीजेह की डेब्यू फिल्म की चर्चा भी फिल्मी गलियारों में हो रही थी। अलीजेह आखिर किस फिल्म से इस फिल्मी दुनिया में अपना पहला कदम रखेंगी ये इससे पहले तक फाइनल नहीं हुआ था। हालांकि ताजा मीडिया रिपोर्ट की मानें तो, अलीजेह निर्देशक सौमेंद्र पाधी की फिल्म से डेब्यू करने की तैयारी में है, लेकिन फिल्म का नाम अभी तक सामने नहीं आया है।